SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

बाइबल धैर्य के बारे में क्या कहती है? — इसे जीवन में उतारना · स्ट्रॉन्स नंबरों के साथ केजेवी शास्त्र

इसे जीवन में उतारना · परमेश्वर के साथ चाल — रेंगना, चलना, दौड़ना, समाप्त करना

धैर्य — आधारभूत बाइबल सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

धीरज किसी और चीज़ से पहले एक चाल है। कोई बच्चा एक दिन में नहीं चलता: पहले वह अपने हाथों और घुटनों पर घिसटता है; फिर उसका पिता उसे बाहों से पकड़ता है और उसे कदम-दर-कदम चलना सिखाता है; फिर वह अकेला चलता है; फिर वह बड़ा होता है, और दौड़ता है। और जो व्यक्ति अच्छी तरह दौड़ता है, वह एक दौड़ में दौड़ता है, और उस दौड़ का एक अंत होता है, और अंत में एक मुकुट होता है। धीरज ऐसा ही है। यूनानी शब्द है हुपोमोने (G5281, patience) — स्ट्रॉन्स कहता है, प्रसन्नचित्त (या आशापूर्ण) सहनशीलता, दृढ़ता — और यह दो शब्दों से बना है, G5259, नीचे, और G3306, टिके रहना: एक नीचे टिके रहना। इसका एक साथी है, माक्रोथुमिया (G3115, longsuffering) — आत्मा में दीर्घ, क्रोधित होने में धीमा। इब्रानी भाषा में प्रतीक्षा को क़ावाह (H6960, wait) कहा जाता है — स्ट्रॉन्स कहता है, एक साथ बाँधना, जैसे एक बटी हुई रस्सी — प्रतीक्षा करने वाली आत्मा परमेश्वर से एक रस्सी की तरह बँधी होती है; और धीरजवान व्यक्ति है आरेख़ (H750, patient) — दीर्घ: आत्मा में दीर्घ, और क्रोधित होने में धीमा। यह अध्ययन धीरज को एक व्यक्ति की पूरी यात्रा में लेकर चलता है: वह इसे कैसे पाता है जब वह केवल घिसट ही सकता है; एक बार उसके पास यह होने पर वह इसमें कैसे चलता है; वह धीरज के साथ अपने सामने रखी दौड़ को कैसे दौड़ता है, और इसे परमेश्वर की सेना के एक सैनिक की तरह चढ़ाता है; और वह अंत में रेखा को कैसे पार करता है, जहाँ प्रतिज्ञा प्राप्त होती है, मुकुट को कसकर पकड़ा जाता है, और हमारे परमेश्वर का वचन सदा के लिए स्थिर रहता है। इसे खोज निकालें।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. धैर्य कहाँ पाया जाता है, और मनुष्य को यह सर्वप्रथम कैसे प्राप्त होता है?
2. एक व्यक्ति को धीरज मिलने के बाद उसके साथ क्या करना चाहिए, और इसे दिन-प्रतिदिन कैसे जीवन में उतारा जाता है?
3. दौड़ का अंत कैसे होता है — फिनिश लाइन पर धीरज को क्या मिलता है, और सदा के लिए क्या बना रहता है?

ग्रीक मुख्य शब्द

"धैर्य" — **G5281 hupomone** — प्रसन्नचित्त (या आशापूर्ण) धीरज, स्थिरता
आइए हम धीरज से उस दौड़ को दौड़ें जो हमारे सामने रखी गई है

"दीर्घसहनशीलता" — **G3115 makrothumia** — सहनशीलता, धैर्य, धीरज
प्रेम में एक दूसरे को सहते हुए, सहनशीलता के साथ

“सहा” — **G5278 hupomeno** — सहना, धीरज धरना, धैर्यपूर्वक सहन करना, कष्ट सहना
क्रूस को सहा, और लज्जा को तुच्छ जाना

“उत्पन्न करता है” — **G2716 katergazomai** — पूरी तरह से काम करना, सिद्ध करना, संपन्न करना
क्लेश धीरज उत्पन्न करता है

“कोशिश करना” — **G1383 dokimion** — एक परीक्षा, एक जाँच, एक परखा जाना
तुम्हारे विश्वास की परीक्षा धीरज उत्पन्न करती है

“दौड़” — **G73 agon** — संघर्ष, विवाद, लड़ाई, दौड़
हमारे लिये जो दौड़ ठहराई हुई है, उसे धीरज से दौड़ें

“वाद्ययंत्र” — **G3696 hoplon** — शस्त्र, उपकरण, हथियार
परमेश्वर के लिये धार्मिकता के हथियार अपने अपने अंगों को सौंप दो

“रखना” — **G5083 tereo** — रखना, दृढ़ता से थामे रहना, चौकसी करना, सुरक्षित रखना
मैंने तेरे धीरज के वचन को माना है

“ठहरता है” — **G3306 meno** — ठहरना, बना रहना, बना रहना, सहना
जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा ठहरता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ध्यान दीजिए कि ये दो शब्द किस प्रकार बने हैं। स्ट्रॉन्स के अनुसार hupomone (G5281, धैर्य) दो शब्दों पर टिका है — G5259, नीचे, और G3306, बने रहना — अर्थात नीचे बने रहना: धैर्यवान व्यक्ति तब तक बोझ के नीचे बना रहता है जब तक कार्य पूरा नहीं हो जाता। और makrothumia (G3115, दीर्घसहनशीलता) G3117, लंबा, और G2372, क्रोध पर टिका है — क्रोध से पहले लंबा समय: धैर्यवान व्यक्ति आत्मा में दीर्घ होता है, और शीघ्र क्रोधित नहीं होता। पहला बोझ उठाता है; दूसरा एक ऋतु की प्रतीक्षा करता है। और दोनों का अनुवाद धैर्य के रूप में किया गया है: इब्रानियों 12:1 में हम धैर्य (G5281) के साथ दौड़ते हैं, और इब्रानियों 6:12 में हम विश्वास और धैर्य (G3115) के द्वारा वारिस बनते हैं — दौड़ नीचे बने रहने की मांग करती है, और प्रतिज्ञा दीर्घ आत्मा की मांग करती है। एक पंक्ति इन दोनों को एक साथ जोड़ती है — सारा धैर्य और दीर्घसहनशीलता आनंद सहित (कुलुस्सियों 1:11)।)

हिब्रू मुख्य शब्द

“प्रतीक्षा करना” — **H6960 qavah** — एक साथ बाँधना (जैसे मोड़कर); आशा करना, प्रतीक्षा करना
जो यहोवा की बाट जोहते हैं वे नया बल प्राप्त करेंगे

“धैर्यवान” — **H750 arek** — सहनशील; अत्यंत सहनशील, धीरजवान, क्रोध करने में धीमा
आत्मा का धीरजवन्त आत्मा के अभिमानी से उत्तम है

“प्रतीक्षा करना” — **H2442 chakah** — प्रतीक्षा करना, ठहरना, लालसा करना
धन्य हैं वे सब जो उसकी बाट जोहते हैं

“अपेक्षा” — **H8615 tiqvah** — एक डोरी; प्रत्याशा, आशा
आपकी आशा कदापि निराश नहीं होगी

“विश्वास” — **H3176 yachal** — प्रतीक्षा करना, बाट जोहना, भरोसा करना, ठहरना
यद्यपि वह मुझे मार डाले, तौभी मैं उसी की प्रतीक्षा करूंगा

(मेरे व्यक्तिगत विचार — क़ावा (H6960, प्रतीक्षा करना) का स्ट्रॉन्स के अनुसार भाव है एक साथ बाँधना, जैसे कई लड़ों से बटी हुई डोरी; और इसकी बेटी है तिक़्वा (H8615, आशा) — शाब्दिक रूप से एक डोरी, और इस प्रकार, आशा। पवित्रशास्त्र में प्रतीक्षा करना खाली बैठे रहना नहीं है; यह आत्मा का परमेश्वर से बंधन है, जब तक कि यह प्रतीक्षा स्वयं एक ऐसी डोरी न बन जाए जो थामे रहे: तेरी आशा कभी न कटेगी (नीतिवचन 23:18)। और अरेक़ (H750, धैर्यवान) का सीधा अर्थ है लंबा — आत्मा में दीर्घ, क्रोध करने में धीमा; वही शब्द यहोवा के अपने नाम में भी आता है, जब वह स्वयं को दयालु और अनुग्रहकारी, विलम्ब से क्रोध करनेवाला कहता है (निर्गमन 34:6)। धैर्यवान मनुष्य अपने पिता की छवि धारण करता है।)

I. रेंगना — इसे कैसे पाएँ

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर चाल नीचे से शुरू होती है, और धैर्य में कोई भी पूर्ण रूप से बड़ा होकर पैदा नहीं होता। इसे पहले ढूँढ़ा जाना चाहिए; और ये गवाह दिखाते हैं कि यह कहाँ मिलता है: यह पवित्रशास्त्र में पाया जाता है, यह धैर्य के परमेश्वर द्वारा दिया जाता है, और यह तुम्हारे विश्वास की परीक्षा के द्वारा तुम में काम करता है। एक शिशु दौड़ नहीं सकता; वह रो सकता है, और वह गोद में उठाए जाने की प्रतीक्षा कर सकता है। वहीं से शुरू करो। और सबसे बढ़कर यह ध्यान दो: इससे पहले कि तुमने कभी परमेश्वर की प्रतीक्षा की, परमेश्वर ने तुम्हारी प्रतीक्षा की थी।)

A. रोमियों 15:4 जितनी बातें पहले से लिखी गईं, वे हमारी ही शिक्षा के लिये लिखी गईं हैं कि हम धीरज और पवित्रशास्त्र के प्रोत्साहन के द्वारा आशा रखें। **[G3874 paraklesis ⚑] [G5281 hupomone ⚑]**

जो बातें पहले लिखी गईं, वे हमारी शिक्षा के लिये लिखी गईं → धीरज और पवित्रशास्त्र के प्रोत्साहन के द्वारा = आशा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहीं धैर्य पाया जाता है: पवित्रशास्त्र में। जो बातें बहुत पहले लिखी गईं, वे तुम्हारी शिक्षा के लिए लिखी गई थीं; धैर्य पवित्रशास्त्र से ही उत्पन्न होता है — तुम इसे उस पुस्तक में पाओगे, उन लोगों के बीच जो तुमसे पहले वहाँ प्रतीक्षा कर चुके हैं। इसे वैसे ही खोलो जैसे कोई बालक अपने पिता का द्वार खोलता है।)

B. रोमियों 15:5 धीरज, और प्रोत्साहन का दाता परमेश्वर तुम्हें यह वरदान दे, कि मसीह यीशु के अनुसार आपस में एक मन रहो।
[G3874 paraklesis ⚑] [G5281 hupomone ⚑]

धैर्य और सांत्वना का परमेश्वर → तुम्हें यह वरदान दे कि मसीह यीशु के अनुसार आपस में एक मन रहो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — नाम पर ध्यान दें: धैर्य का परमेश्वर। पवित्रशास्त्र इसे धारण करता है, परन्तु परमेश्वर इसे देता है; यह पुस्तक उसका हाथ है जो नीचे झुककर दीन जन तक पहुँचता है। जिसने बालक को बनाया, वही बालक को सिखाता है: यह वरदान दाता से ही माँगो।)

C. याकूब 1:2 हे मेरे भाइयों, जब तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो तो इसको पूरे आनन्द की बात समझो **[G3986 peirasmos ⚑]**

हे मेरे भाइयों → जब तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो तो इसको पूरे आनन्द की बात समझो.

D. याकूब 1:3 यह जानकर, कि तुम्हारे विश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है। **[G5281 hupomone ⚑]**
[G2716 katergazomai ⚑] [G1383 dokimion ⚑]

तुम्हारे विश्वास की परीक्षा = धीरज उत्पन्न करती है।

E. याकूब 1:4 पर धीरज को अपना पूरा काम करने दो, कि तुम पूरे और सिद्ध हो जाओ और तुम में किसी बात की घटी न रहे।
[G3648 holokleros ⚑] [G5046 teleios ⚑] [G5281 hupomone ⚑]

पर धीरज को अपना पूरा काम करने दो → कि तुम पूरे और सिद्ध हो जाओ और तुम में किसी बात की घटी न रहे.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देखो धैर्य शिशु में किस प्रकार आता है: यह उत्पन्न किया जाता है। dokimion (G1383, परखना) एक परीक्षा है, जैसे धातु परखी जाती है; और katergazomai (G2716, उत्पन्न करना) का अर्थ है पूरी तरह से काम करना, सिद्ध करना। परीक्षा तुम्हें तोड़ने के लिए नहीं भेजी जाती; यह तुम में धैर्य का उत्पन्न होना है। और holokleros (G3648, सम्पूर्ण) का अर्थ है हर भाग में सम्पूर्ण होना — इसे पूर्ण होने दो, और तुम्हारा कोई भी भाग अधूरा नहीं रहेगा।)

F. 2 पतरस 1:5-6 और इसी कारण तुम सब प्रकार का यत्न करके, अपने विश्वास पर सद्गुण, और सद्गुण पर समझ **[G5281 hupomone ⚑]**
[G4710 spoude ⚑] (6) और समझ पर संयम, और संयम पर धीरज, और धीरज पर भक्ति

सारी सावधानी लगाकर, जोड़ो → संयम में धीरज + धीरज में भक्ति।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — धैर्य अपने आप नहीं दिया जाता; यह क्रम से जोड़ा जाता है, जैसे एक बच्चा जोड़-जोड़ करके बढ़ता है। यह आत्म-संयम के बाद और भक्ति से पहले, चढ़ाई के मार्ग में खड़ा है; आप इसकी एक भी सीढ़ी को नहीं छोड़ सकते।)

G. लूका 8:15 पर अच्छी भूमि में के वे हैं, जो वचन सुनकर भले और उत्तम मन में सम्भाले रहते हैं, और धीरज से फल लाते हैं।
[G5281 hupomone ⚑] [G2592 karpophoreo ⚑] [G2722 katecho ⚑]

एक ईमानदार और अच्छा हृदय + वचन को सुनकर, उसे थामे रहते हैं → धीरज से फल लाते हैं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — वचन सुनने से मिलता है, परन्तु धैर्य से थामा जाता है। katecho (G2722, थामे रहना) थामे रहना, दबाए रखना के लिए स्ट्रॉन्ग्स है। जो शिशु बढ़ना चाहता है उसे जो कुछ वह सुनता है उसे थामे रहना चाहिए; और फल उसी घड़ी नहीं आता — वह धैर्य के साथ आता है।)

H. यशायाह 30:18 तो भी यहोवा इसलिए विलम्ब करता है कि तुम पर अनुग्रह करे, और इसलिए ऊँचे उठेगा कि तुम पर दया करे। क्योंकि यहोवा न्यायी परमेश्वर है; क्या ही धन्य हैं वे जो उस पर आशा लगाए रहते हैं । **[H2442 chakah ⚑] [H2442 chakah ⚑]**

यहोवा बाट जोहता है, कि वह तुम पर अनुग्रह करे → क्या ही धन्य हैं वे सब जो उसकी बाट जोहते हैं।

I. यशायाह 64:4 क्योंकि प्राचीनकाल ही से तुझे छोड़ कोई और ऐसा परमेश्वर न तो कभी देखा गया और न कान से उसकी चर्चा सुनी गई जो अपनी बाट जोहनेवालों के लिये काम करे। (भज. 31:19, 1 कुरि. 2:9) **[H2442 chakah ⚑]**

न आँख ने कभी देखा, हे परमेश्वर, तुझसे अलग → जो उसने उसके लिए तैयार किया है जो उसकी बाट जोहता है।

(मेरे निजी विचार — इन दोनों को एक साथ रखिए, क्योंकि प्रतीक्षा के लिए शब्द एक ही है, चाकाह (H2442, प्रतीक्षा) — टैग देखिए। यहोवा प्रतीक्षा करता है, कि वह आप पर अनुग्रह करे; और उसने अपनी प्रतीक्षा करनेवाले के लिए कुछ तैयार किया है। इससे पहले कि बच्चे ने कभी अपने पिता की प्रतीक्षा की हो, पिता ने बच्चे की प्रतीक्षा की। आप धीरज उस एक से सीखते हैं जिसने पहले ही आपके प्रति उसे दिखा दिया है।)

J. भजन संहिता 40:1 मैं धीरज से यहोवा की बाट जोहता रहा; और उसने मेरी ओर झुककर मेरी दुहाई सुनी। **[H5186 natah ⚑]**
[H6960 qavah ⚑]

मैं धीरज से यहोवा की बाट जोहता रहा → और उसने मेरी ओर झुककर मेरी दुहाई सुनी.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — जिस भाषा में यह पहले लिखा गया था, उसमें शब्द दोहराया गया है — प्रतीक्षा में मैंने प्रतीक्षा की — qavah (H6960, प्रतीक्षा करना) qavah के ऊपर। शिशु के पास रोने के सिवा कोई शक्ति नहीं है; और यहोवा ने झुकाया — natah (H5186, झुकाया) Strong's के अनुसार फैलाना, नीचे झुकना है — वह दीन के पास झुकता है, जैसे एक पिता भूमि पर पड़े बालक के सामने झुकता है। प्रतीक्षा करो, और पुकारो: वह सुनता है।)

K. विलापगीत 3:25 जो यहोवा की बाट जोहते और उसके पास जाते हैं, उनके लिये यहोवा भला है। **[H6960 qavah ⚑]**

जो यहोवा की बाट जोहते और उसके पास जाते हैं + उनके लिये यहोवा भला है.

L. विलापगीत 3:26 यहोवा से उद्धार पाने की आशा रखकर चुपचाप रहना भला है। **[H1748 duwmam ⚑]**

यह भला है → आशा रखना और यहोवा के उद्धार की चुपचाप बाट जोहना दोनों।

M. विलापगीत 3:27 पुरुष के लिये जवानी में जूआ उठाना भला है। **[H5271 naur ⚑] [H5923 ol ⚑]**

मनुष्य के लिये अच्छा है → कि वह जवानी में जूआ ढोए।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — तीन "अच्छाइयाँ" एक ही स्थान पर साथ खड़ी हैं: यहोवा उनके लिये भला है जो उसकी बाट जोहते हैं; भला है कि मनुष्य आशा रखे और चुपचाप प्रतीक्षा करे; भला है कि मनुष्य अपनी जवानी में जूआ उठाए। duwmam (H1748, चुपचाप प्रतीक्षा करना) का अर्थ है स्ट्रॉन्स के अनुसार स्थिर, मौन — यह मौन प्रतीक्षा एक स्थिर प्रतीक्षा है, शिकायत भरी नहीं। और जूआ जल्दी रख दिया जाता है: जवानी में सीखा गया धैर्य हल्के भार सा उठाया जाता है। नीचे से आरम्भ करो, छोटे से आरम्भ करो, और आरम्भ करो; फिर अपने पैरों पर उठो, और चलो।)

II. चलना — जब यह तेरे पास हो तब इसके साथ क्या करना है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — शिशु अपने पैरों पर खड़ा हो गया है; अब चलने की बारी है। धीरज कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे संदूक में रखा जाए; यह एक वस्त्र है जिसे पहनना है, और एक मार्ग है जिस पर दिन-प्रतिदिन, लोगों के बीच चलना है। साक्षियों में इस चरण के दो कार्यों पर ध्यान दें: अपने प्राण को इससे अधिकार में रखना, और सबके प्रति इसे धारण करना — क्योंकि धीरज का मार्ग सहविश्वासियों के बीच, और उनके बीच भी चला जाता है जो तुम्हें परखते हैं।)

A. लूका 21:19 अपने धीरज से तुम अपने प्राणों को बचाए रखोगे। **[G2932 ktaomai ⚑] [G5281 hupomone ⚑]**

अपने धैर्य में → तुम अपने प्राणों को प्राप्त करो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ktaomai (G2932, अधिकार करना) स्ट्रॉन्स के अनुसार पाना, प्राप्त करना, अपना बनाना है। मनुष्य की अपनी आत्मा उसके धैर्य के द्वारा थामी जाती है: धैर्य खो दो, तो आत्मा वहाँ ले जाई जाती है जहाँ वह जाना नहीं चाहती। पहले अपने ही घर को थाम लो; फिर द्वार से बाहर निकलो।)

B. कुलुस्सियों 3:12 इसलिए परमेश्वर के चुने हुओं के समान जो पवित्र और प्रिय हैं, बड़ी करुणा, और भलाई, और दीनता, और नम्रता, और सहनशीलता धारण करो; **[G3115 makrothumia ⚑] [G1746 enduo ⚑]**

परमेश्वर के चुने हुओं के समान पहिन लो → दयालुता + मन की दीनता + नम्रता + धीरज।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — एन्ड्यूओ (G1746, पहनना) का अर्थ है पहनना, जिस प्रकार वस्त्र पहना जाता है। दीर्घसहनशीलता चुने हुओं के वस्त्र का एक भाग है: इसे प्रतिदिन पहना जाता है, जिस प्रकार कोई व्यक्ति बाहर जाने से पहले अपना कोट पहनता है। वस्त्र धारण करके चलो।)

C. इफिसियों 4:1 इसलिए मैं जो प्रभु में बन्दी हूँ तुम से विनती करता हूँ कि जिस बुलाहट से तुम बुलाए गए थे, उसके योग्य चाल चलो **[G4043 peripateo ⚑]**

योग्य चाल चलो → उस बुलाहट के जिससे तुम बुलाए गए हो।

D. इफिसियों 4:2 अर्थात् सारी दीनता और नम्रता सहित, और धीरज धरकर प्रेम से एक दूसरे की सह लो **[G430 anechomai ⚑] [G3115 makrothumia ⚑]**

अर्थात् सारी दीनता और नम्रता सहित → और धीरज धरकर प्रेम से एक दूसरे की सह लो.

(मेरे निजी विचार — यहाँ स्वयं वह चाल है: बुलाहट के योग्य चाल धीरज के साथ चली जाती है। और anechomai (G430, सहनशीलता) का अर्थ है स्ट्रॉन्स के अनुसार अपने आप को थामे रहना, सह लेना — एक दूसरे को SAHNA है, जैसे कोई भार उठाया जाता है, और वह प्रेम में उठाया जाता है। तेरा भाई वह खेत है जहाँ तेरा धीरज चलता है।)

E. कुलुस्सियों 1:11 और उसकी महिमा की शक्ति के अनुसार सब प्रकार की सामर्थ्य से बलवन्त होते जाओ, यहाँ तक कि आनन्द के साथ हर प्रकार से धीरज और सहनशीलता दिखा सको। **[G3115 makrothumia ⚑] [G5281 hupomone ⚑]**

और उसकी महिमा की शक्ति के अनुसार सब प्रकार की सामर्थ्य से बलवन्त होते जाओ → यहाँ तक कि आनन्द के साथ हर प्रकार से धीरज और सहनशीलता दिखा सको.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अध्ययन के दोनों शब्द एक ही पंक्ति में खड़े हैं — टैग्स देखें: सम्पूर्ण धैर्य (G5281) और सहनशीलता (G3115) — नीचे टिके रहना और दीर्घ आत्मा दोनों एक साथ। और दोनों के लिए शक्ति तुम्हारी अपनी नहीं, बल्कि उसकी महिमामय शक्ति है; और दोनों का अंत भारी चेहरा नहीं, बल्कि आनंद है।)

F. गलातियों 5:22 पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, और दया, भलाई, विश्वास **[G3115 makrothumia ⚑]**

आत्मा का फल → प्रेम + आनन्द + शान्ति + धीरज + दयालुता + भलाई + विश्वास।

(मेरे निजी विचार — दीर्घसहनशीलता आत्मा के अपने वृक्ष पर उगती है। आत्मा में चलो, और फल तब आता है जब तुम चलते हो: यह हाथों से नहीं बनाया जाता; यह उपजता है, जिस प्रकार एक शाखा फल उपजाती है।)

G. 1 थिस्सलुनीकियों 5:14 और हे भाइयों, हम तुम्हें समझाते हैं, कि जो ठीक चाल नहीं चलते, उनको समझाओ, निरुत्साहित को प्रोत्साहित करो, निर्बलों को सम्भालो, सब की ओर सहनशीलता दिखाओ। **[G3114 makrothumeo ⚑]**

अनुशासनहीनों को चेतावनी दो + कमज़ोर मन वालों को शान्ति दो + दुर्बलों को सम्भालो + सब मनुष्यों के प्रति धीरजवन्त रहो।

H. भजन संहिता 37:7 यहोवा के सामने चुपचाप रह, और धीरज से उसकी प्रतिक्षा कर; उस मनुष्य के कारण न कुढ़, जिसके काम सफल होते हैं, और वह बुरी युक्तियों को निकालता है! **[H2342 chuwl ⚑] [H1826 damam ⚑]**

यहोवा में विश्राम कर + धीरज से उसकी बाट जोह → अपने आपको मत कुढ़ा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दामम (H1826, विश्राम) स्ट्रॉन्स के अनुसार है चुप रहना, स्थिर रहना: धैर्य का विश्राम एक शांत मुख है। और भजन जानता है कि मार्ग में तुम्हारी आँखें क्या देखेंगी — वह व्यक्ति जिसका मार्ग समृद्ध होता है, यद्यपि वह धर्मी नहीं है। व्याकुल मत हो: धैर्य दुष्ट की समृद्धि के पास से बिना अपनी चाल तोड़े गुज़र जाता है।)

I. नीतिवचन 16:32 विलम्ब से क्रोध करना वीरता से, और अपने मन को वश में रखना, नगर को जीत लेने से उत्तम है। **[H4910 mashal ⚑] [H1368 gibbor ⚑] [H750 arek ⚑]**

विलम्ब से क्रोध करना वीरता से → नगर को जीत लेने से उत्तम है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — संसार बलवान पुरुष को महान मानता है, उसे जो नगरों पर अधिकार करता है; परन्तु वचन धैर्यवान पुरुष को महान मानता है। arek (H750, धीमा) का अर्थ है लम्बा — क्रोध में धीमा, अर्थात आत्मा में दीर्घ; और mashal (H4910, शासन करता है) का अर्थ है स्ट्रॉन्स के अनुसार शासन करना, प्रभुत्व रखना। धैर्यवान पुरुष के पास पहले से ही एक राज्य है: उसकी अपनी आत्मा, जो वश में है।)

J. सभोपदेशक 7:8 किसी काम के आरम्भ से उसका अन्त उत्तम है; और धीरजवन्त पुरुष अहंकारी से उत्तम है। **[H750 arek ⚑]**

किसी काम के आरम्भ से उसका अन्त उत्तम है → और धीरजवन्त पुरुष अहंकारी से उत्तम है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — धीरज और अभिमान एक-दूसरे के विरुद्ध खड़े हैं, क्योंकि अभिमान प्रतीक्षा नहीं कर सकता; उसे तो अभी वह वस्तु चाहिए। परन्तु किसी बात का अन्त उसके आरम्भ से उत्तम है — और केवल आत्मा में धीरजवन्त ही अन्त को देखता है। इस वचन को थामे रहो; अन्तिम रेखा इसे खोल देगी।)

K. याकूब 5:7 इसलिए हे भाइयों, प्रभु के आगमन तक धीरज धरो, जैसे, किसान पृथ्वी के बहुमूल्य फल की आशा रखता हुआ प्रथम और अन्तिम वर्षा होने तक धीरज धरता है। (व्यव. 11:14) **[G3114 makrothumeo ⚑] [G1551 ekdechomai ⚑] [G1092 georgos ⚑] [G3952 parousia ⚑] [G3114 makrothumeo ⚑]**

प्रभु के आगमन तक धीरज धरो → किसान पृथ्वी के बहुमूल्य फल की बाट जोहता है + उसके लिये बहुत धीरज धरता है।

L. याकूब 5:8 तुम भी धीरज धरो, और अपने हृदय को दृढ़ करो, क्योंकि प्रभु का आगमन निकट है। **[G1448 eggizo ⚑] [G3952 parousia ⚑] [G4741 sterizo ⚑] [G3114 makrothumeo ⚑]**

तुम भी धीरज धरो + और अपने हृदय को दृढ़ करो → क्योंकि प्रभु का आगमन निकट है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — किसान चलनेवाले को सिखाता है। वह प्रतीक्षा करता है — एक्देखोमाई (G1551, प्रतीक्षा करना) — स्ट्रॉन्स के अनुसार आशा करना, बाट जोहना — और जिस फल की वह प्रतीक्षा करता है वह अमूल्य है; कोई भी किसी निकम्मी वस्तु के लिए लंबे समय तक प्रतीक्षा नहीं करता। इसलिए धीरज का मार्ग एक आगमन की ओर बढ़ने वाला मार्ग है: तुम भी धीरज धरो, क्योंकि प्रभु स्वयं निकट आ रहा है। और स्टेरिज़ो (G4741, स्थिर करना) स्ट्रॉन्स के अनुसार दृढ़तापूर्वक स्थापित करना है — एक दृढ़ स्थापित हृदय मार्ग से नहीं भटकता। अब कार्य के लिए तैयार हो जाओ; दौड़ तुम्हारे आगे है।)

III. दौड़ में दौड़ना — परमेश्वर की सेना के सैनिक के समान समर्पित करो

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब मार्ग एक दौड़ बन जाता है, और दौड़ एक युद्ध बन जाती है। इस चरण के महान शब्द पर ध्यान दीजिए: दौड़ धैर्य के साथ दौड़ी जाती है — और दौड़-शब्द स्वयं, पहले साक्षी के अंतर्गत टैग देखें, G73, स्ट्रॉन्स के अनुसार संघर्ष, विवाद, लड़ाई, दौड़ है: इस दौड़ को दौड़ना ही इस लड़ाई को लड़ना है। परमेश्वर का धावक परमेश्वर का सिपाही है: वह कठिनाई सहता है, वह उलझता नहीं है, और वह अपने शरीर के अंगों को परमेश्वर को अर्पित करता है — और जो हथियार वह अर्पित करता है, टैग देखें, G3696, वे पुरानी भाषा में युद्ध के हथियार हैं।)

A. इब्रानियों 12:1 इस कारण जबकि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हमको घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकनेवाली वस्तु, और उलझानेवाले पाप को दूर करके, वह दौड़ जिसमें हमें दौड़ना है, धीरज से दौड़ें। **[G73 agon ⚑] [G5281 hupomone ⚑] [G2139 euperistatos ⚑] [G3591 ogkos ⚑] [G3144 martus ⚑]**

हर एक बोझ + उस पाप को दूर करके जो हमें सहज ही उलझा लेता है → धीरज से उस दौड़ में दौड़ें जो हमारे आगे धरी है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ सारा अध्ययन पाँच शब्दों में समाया है: धैर्य के साथ दौड़ को पूरा करो। धैर्य केवल धीमे व्यक्ति का गुण नहीं है; यह धावक की शक्ति है। और धावक हल्का होकर चलता है — हर बोझ को उतार फेंककर, ताकि धैर्य दौड़ पर व्यय हो, न कि बोझ पर।)

B. इब्रानियों 12:2 और विश्वास के कर्ता और सिद्ध करनेवाले यीशु की ओर ताकते रहें; जिसने उस आनन्द के लिये जो उसके आगे धरा था, लज्जा की कुछ चिन्ता न करके, क्रूस का दुःख सहा; और सिंहासन पर परमेश्वर के दाहिने जा बैठा। (1 पत. 2:23,24, तीतु. 2:13,14)
[G5278 hupomeno ⚑] [G5051 teleiotes ⚑] [G747 archegos ⚑]

यीशु पर दृष्टि लगाए रहें, जो हमारे विश्वास का कर्ता और सिद्ध करनेवाला है → जिसने अपने आगे धरे आनन्द के लिये क्रूस का दुख सहा।

C. इब्रानियों 12:3 इसलिए उस पर ध्यान करो, जिसने अपने विरोध में पापियों का इतना वाद-विवाद सह लिया कि तुम निराश होकर साहस न छोड़ दो। **[G1590 ekluo ⚑] [G2577 kamno ⚑] [G485 antilogia ⚑] [G5278 hupomeno ⚑]**

उसका विचार करो जिसने ऐसा विरोध सहा → ऐसा न हो कि तुम शिथिल होकर अपने अपने मन में हियाव छोड़ बैठो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दौड़ने वाला अपनी दृष्टि कहाँ टिकाता है? न अपने पैरों पर, न अन्य दौड़ने वालों पर: यीशु पर दृष्टि लगाए हुए। यह दौड़ उसके लेखक और सिद्ध करनेवाले द्वारा तुमसे पहले दौड़ी जा चुकी है: उसने सहा — hupomeno (G5278, सहा), वह नीचे टिका रहा — स्वयं क्रूस को, उस आनन्द के लिये जो उसके आगे धरा था। जब तुम्हारा धीरज कमज़ोर पड़ने लगे, तो उसके विषय में सोचो; वह दृष्टि लगाना ही शक्ति है।)

D. इब्रानियों 10:36 क्योंकि तुम्हें धीरज रखना अवश्य है, ताकि परमेश्वर की इच्छा को पूरी करके तुम प्रतिज्ञा का फल पाओ।
[G1860 epaggelia ⚑] [G5281 hupomone ⚑]

क्योंकि तुम्हें धीरज रखना अवश्य है → ताकि परमेश्वर की इच्छा को पूरी करके तुम प्रतिज्ञा का फल पाओ.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — धावक की आवश्यकता गति नहीं है; उपदेशक ने कहा है, दौड़ तेज़ दौड़नेवालों की नहीं है। प्रतिज्ञा करने के अंत में खड़ी रहती है, और धीरज करनेवाले को करने से पाने तक ले जाता है। तुम्हें इसकी आवश्यकता है: इसके बिना कोई भी पूरा नहीं करता।)

E. 2 तीमुथियुस 2:3 मसीह यीशु के अच्छे योद्धा के समान मेरे साथ दुःख उठा । **[G4757 stratiotes ⚑] [G2553 kakopatheo ⚑]**

कठिनाई सह लो = यीशु मसीह के एक अच्छे सिपाही के समान।

F. 2 तीमुथियुस 2:4 जब कोई योद्धा लड़ाई पर जाता है, तो इसलिए कि अपने वरिष्ठ अधिकारी को प्रसन्न करे, अपने आपको संसार के कामों में नहीं फँसाता **[G1707 empleko ⚑] [G4754 strateuomai ⚑]**

कोई भी योद्धा इस जीवन के व्यवहारों में अपने आपको उलझाता नहीं -- ताकि वह उसे प्रसन्न करे जिसने उसे सिपाही होने के लिये चुना है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — धावक और सिपाही एक ही व्यक्ति हैं। धावक हर एक भार को दूर रखता है; सिपाही उलझनों में नहीं फँसता: दोनों हल्के होकर यात्रा करते हैं, और दोनों ऐसा एक की आँखों के लिए करते हैं — उस एक की, जिसने उसे चुना। परमेश्वर को अर्पित धीरज एक सिपाही का धीरज है: यह तब भी स्थिर रहता है जब शरीर भाग जाना चाहता है, जिस प्रकार एक सिपाही बुरे दिन में अपनी जगह पर डटा रहता है।)

G. 2 तीमुथियुस 2:10 इस कारण मैं चुने हुए लोगों के लिये सब कुछ सहता हूँ, कि वे भी उस उद्धार को जो मसीह यीशु में हैं अनन्त महिमा के साथ पाएँ। **[G1588 eklektos ⚑] [G5278 hupomeno ⚑]**

मैं चुने हुओं के निमित्त सब कुछ सहता हूं, कि जो उद्धार मसीह यीशु में है, वे भी उसे प्राप्त करें।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ध्यान दें कि सैनिक क्यों सहता है: केवल अपने लिए नहीं, बल्कि चुने हुओं के लिए, ताकि वे इसे प्राप्त कर सकें। सैनिक के रूप में दिखाया गया धैर्य दूसरों के लिए व्यय किया गया धैर्य है। धावक पुरस्कार के लिए दौड़ता है; सैनिक पूरी सेना के लिए सहता है।)

H. 2 तीमुथियुस 2:12 यदि हम धीरज से सहते रहेंगे, तो उसके साथ राज्य भी करेंगे; यदि हम उसका इन्कार करेंगे तो वह भी हमारा इन्कार करेगा। **[G4821 sumbasileuo ⚑] [G5278 hupomeno ⚑]**

यदि हम धीरज से सहते रहेंगे, तो उसके साथ राज्य भी करेंगे.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — टैग को देखिए, और इसे भली-भांति ध्यान दीजिए: यहाँ SUFFER के रूप में अनुवादित शब्द G5278 है, इस पूरे अध्ययन का वही सहना-शब्द है — यदि हम सहेंगे, तो हम उसके साथ राज्य भी करेंगे। सैनिक का दुःख सहना और संत का धैर्य एक ही शब्द हैं; और उस एक शब्द का अंत एक सिंहासन है।)

I. रोमियों 6:13 और न अपने अंगों को अधर्म के हथियार होने के लिये पाप को सौंपो, पर अपने आपको मरे हुओं में से जी उठा हुआ जानकर परमेश्वर को सौंपो, और अपने अंगों को धार्मिकता के हथियार होने के लिये परमेश्वर को सौंपो। **[G3696 hoplon ⚑] [G3936 paristemi ⚑] [G3696 hoplon ⚑]**

अपने आप को परमेश्वर के लिये ऐसों के समान समर्पण करो जो मरे हुओं में से जी उठे हों + अपने अंगों को धार्मिकता के हथियार के रूप में परमेश्वर के लिये समर्पित करो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — hoplon (G3696, उपकरण) स्ट्रॉन्स के अनुसार कवच, उपकरण, हथियार है: समर्पित मनुष्य के शरीर के अंग परमेश्वर के हाथ में धार्मिकता के हथियार हैं। धैर्य भी ऐसा ही एक हथियार है — इसे समर्पित कर दो, और युद्ध यहोवा का हो जाता है। एक हथियार अपने लिए नहीं लड़ता; वह पूरी तरह उस हाथ में रहता है जो उसे थामे हुए है।)

J. गलातियों 6:9 हम भले काम करने में साहस न छोड़ें, क्योंकि यदि हम ढीले न हों, तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे। **[G1590 ekluo ⚑] [G1573 ekkakeo ⚑]**

हम भले काम करने में साहस न छोड़ें → क्योंकि यदि हम ढीले न हों, तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — किसान का शब्द दौड़नेवाले के पास लौट आता है: उचित समय में। जिस प्रकार फसल का एक निश्चित समय होता है, उसी प्रकार दौड़ की भी एक निश्चित अंतिम रेखा होती है; और फसल को खोने का एकमात्र तरीका है समय से पहले हार मान लेना। भलाई करना, जब धैर्य के साथ थामे रखा जाए, कभी व्यर्थ नहीं बोया जाता।)

K. प्रकाशितवाक्य 14:12 पवित्र लोगों का धीरज इसी में है, जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते, और यीशु पर विश्वास रखते हैं। **[G5083 tereo ⚑] [G5281 hupomone ⚑]**

पवित्र लोगों का धीरज इसी में है → जो परमेश्वर की आज्ञाओं को मानते, और यीशु पर विश्वास रखते हैं.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — परमेश्वर की एक सेना है, और उसका चिन्ह धैर्य है: यहाँ पवित्र लोगों का धैर्य है। यह ऐसा धैर्य नहीं है जो शांत बैठा रहे। यह पालन करता है — परमेश्वर की आज्ञाओं का, और यीशु के विश्वास का — जैसे एक सैनिक उस वस्तु की रखवाली करता है जो उसे सौंपी गई है।)

L. यशायाह 40:31 परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएँगे, वे उकाबों के समान उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे। **[H3212 yalak ⚑] [H7323 ruwts ⚑] [H2498 chalaph ⚑] [H6960 qavah ⚑]**

जो यहोवा की बाट जोहते हैं वे नया बल प्राप्त करेंगे → दौड़ेंगे और नहीं थकेंगे + चलेंगे और नहीं रुकेंगे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — जो दौड़ने वाला हार नहीं मानता, उसके पास उस व्यक्ति का रहस्य है जो प्रतीक्षा करता है: जो यहोवा की प्रतीक्षा करते हैं, वे अपना बल नया कर लेते हैं। प्रतीक्षा करना ही दौड़ने की शक्ति है। chalaph (H2498, नया करना) स्ट्रॉन्स की परिभाषा के अनुसार बदलना, आगे सौंपना है — प्रतीक्षा करने वाले का बल उसके बल से अदला-बदली कर दिया जाता है। ऐसे ही दौड़ो, और अंतिम रेखा तुम्हारे आगे है।)

IV. फिनिश लाइन — धैर्य, और वचन, सर्वदा ठहरता है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — हर दौड़ का एक अंत होता है, और यह अंत कोई दीवार नहीं है; यह एक प्राप्ति है। सुनो कि धैर्यवान मनुष्य के लिए रेखा के परे क्या ठहरा है: विरासत में मिली प्रतिज्ञा, दिया गया मुकुट, वह आशा जो कभी काटी नहीं जाएगी — और इन सबके नीचे, वह वचन जिसने इन सबकी प्रतिज्ञा की, जो सर्वदा बना रहता है। धैर्यवान मनुष्य और सर्वदा ठहरने वाला वचन एक दूसरे के हैं: जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है वह सर्वदा बना रहता है, ठीक उसी वचन के समान जिसे उसने माना।)

A. इब्रानियों 6:12 ताकि तुम आलसी न हो जाओ; वरन् उनका अनुकरण करो, जो विश्वास और धीरज के द्वारा प्रतिज्ञाओं के वारिस होते हैं। **[G3115 makrothumia ⚑] [G3576 nothros ⚑]**

ताकि तुम आलसी न हो जाओ → वरन् उनका अनुकरण करो, जो विश्वास और धीरज के द्वारा प्रतिज्ञाओं के वारिस होते हैं.

B. इब्रानियों 6:15 और इस रीति से उसने धीरज धरकर प्रतिज्ञा की हुई बात प्राप्त की। **[G2013 epitugchano ⚑] [G3114 makrothumeo ⚑]**

धैर्यपूर्वक सहने के बाद → उसने प्रतिज्ञा को प्राप्त किया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — प्रतिज्ञा का मार्ग उस व्यक्ति द्वारा सिद्ध किया गया है जिसने उसे पूरा किया: धैर्यपूर्वक सहने के बाद, उसने उसे प्राप्त किया। परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं तक पहुँचने का इसके सिवा और कोई मार्ग नहीं है — विश्वास और धैर्य — और यह वह मार्ग है जिसे दूसरे तुमसे पहले पूरा कर चुके हैं: उन लोगों के अनुयायी बनो जिन्होंने इसे पूरा किया।)

C. रोमियों 5:4 और धीरज से खरा निकलना, और खरे निकलने से आशा उत्पन्न होती है; **[G1382 dokime ⚑] [G5281 hupomone ⚑]**

धैर्य, अनुभव → अनुभव, आशा।

D. रोमियों 5:5 और आशा से लज्जा नहीं होती, क्योंकि पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है। **[G1680 elpis ⚑]**

आशा लज्जित नहीं करती, क्योंकि पवित्र आत्मा के द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे हृदयों में उंडेला गया है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — ध्यान दें कि यह श्रृंखला कहाँ समाप्त होती है। धीरज डोकिमे (G1382, अनुभव) उत्पन्न करता है — स्ट्रॉन्स के अनुसार इसका अर्थ है परीक्षा, ऐसी वस्तु जो परखी गई और सच्ची पाई गई; और यह परीक्षा आशा उत्पन्न करती है; और यह आशा हमें लज्जित नहीं करती। धीरज थकावट में समाप्त नहीं होता; यह ऐसी आशा में समाप्त होता है जो लज्जित नहीं हो सकती, जो पवित्र आत्मा के द्वारा हृदय में उंडेली गई है।)

E. याकूब 1:12 धन्य है वह मनुष्य, जो परीक्षा में स्थिर रहता है; क्योंकि वह खरा निकलकर जीवन का वह मुकुट पाएगा, जिसकी प्रतिज्ञा प्रभु ने अपने प्रेम करनेवालों को दी है। **[G4735 stephanos ⚑] [G1384 dokimos ⚑] [G5278 hupomeno ⚑]**

धन्य है वह मनुष्य, जो परीक्षा में स्थिर रहता है → जो परीक्षा में स्थिर रहता है; क्योंकि वह खरा निकलकर जीवन का वह मुकुट पाएगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दोकिमोस (G1384, परखा हुआ) का अर्थ है स्ट्रॉन्स के अनुसार स्वीकृत, जैसे धातु जो आग में से होकर निकली हो। पहले मील की परीक्षा अंत में स्वीकृति बन गई है; और मुकुट मजदूरी नहीं है — यह प्रतिज्ञा की गई है, उनके लिए जो उससे प्रेम रखते हैं।)

F. प्रकाशितवाक्य 2:10 जो दुःख तुझको झेलने होंगे, उनसे मत डर: क्योंकि, शैतान तुम में से कुछ को जेलखाने में डालने पर है ताकि तुम परखे जाओ; और तुम्हें दस दिन तक क्लेश उठाना होगा। प्राण देने तक विश्वासयोग्य रह; तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा। (याकू. 1:12) **[G4735 stephanos ⚑] [G4103 pistos ⚑]**

जो दुःख तुझको झेलने होंगे → प्राण देने तक विश्वासयोग्य रह; तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूँगा। (याकू. 1:12.

G. प्रकाशितवाक्य 3:10 तूने मेरे धीरज के वचन को थामा है, इसलिए मैं भी तुझे परीक्षा के उस समय बचा रखूँगा, जो पृथ्वी पर रहनेवालों के परखने के लिये सारे संसार पर आनेवाला है। **[G3986 peirasmos ⚑] [G5083 tereo ⚑] [G5281 hupomone ⚑] [G5083 tereo ⚑]**

तूने मेरे धीरज के वचन को माना है → इसलिये मैं भी तुझे परीक्षा की उस घड़ी से बचाऊंगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इस अध्ययन के सबसे महान शब्द को सुनिए: मेरे धैर्य का वचन — यह धैर्य आपका होने से पहले उसका है। और रखे जाने की क्रिया दोहरी है — टैग देखिए, एक ही शब्द, G5083, दो बार: तुमने मेरे वचन को रखा है; मैं भी तुम्हें रखूँगा। जो अपने धैर्य के वचन को रखता है, वह स्वयं उसके प्रभु द्वारा रखा जाता है।)

H. प्रकाशितवाक्य 3:11 मैं शीघ्र ही आनेवाला हूँ; जो कुछ तेरे पास है उसे थामे रह, कि कोई तेरा मुकुट छीन न ले। **[G4735 stephanos ⚑] [G2902 krateo ⚑]**

जो कुछ तुम्हारे पास है उसे थामे रहो → ताकि कोई तुम्हारा मुकुट न छीन ले।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दौड़ की अंतिम रेखा पर आज्ञा संक्षिप्त है: दृढ़ता से थामे रहो। krateo (G2902, दृढ़ता से थामे रहना) स्ट्रॉन्स के अनुसार है शक्ति का प्रयोग करना, बनाए रखना — एक बलवान पुरुष की पकड़। मुकुट पहले ही तुम्हारा कहा जा चुका है — तुम्हारा मुकुट; धीरज वह हाथ है जो उसे तब तक थामे रहता है जब तक वह न आए।)

I. नीतिवचन 23:18 क्योंकि अन्त में फल होगा, और तेरी आशा न टूटेगी। **[H8615 tiqvah ⚑]**

क्योंकि अन्त में फल होगा → और तेरी आशा न टूटेगी.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — याद रखें वह शब्द जो चलने की अवस्था से आया है, किसी बात का अंत उसके आरम्भ से उत्तम है — और यहाँ अंत की प्रतिज्ञा है: निश्चय ही एक अंत है। और उस चिह्न को देखिए: तिक्वा (H8615, आशा) कावा की बेटी है, जो प्रतीक्षा-शब्द है, और स्ट्रॉंग्स कहता है कि यह शब्दशः एक डोरी है। प्रतीक्षा करने वाला प्राण अपने परमेश्वर से डोरी के समान बंधा है; और डोरी काटी जा सकती है — परन्तु यह डोरी कदापि नहीं काटी जाएगी। धीरजवन्त मनुष्य की आशा रेखा के पार तक थामे रहती है।)

J. 1 यूहन्ना 2:17 संसार और उसकी अभिलाषाएँ दोनों मिटते जाते हैं, पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहेगा। **[G3306 meno ⚑]**

संसार मिटता जाता है → जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है वह सर्वदा ठहरता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इसे धावक की आवश्यकता के साथ रख कर देखें: तुम्हें धीरज की आवश्यकता है, ताकि जब तुम परमेश्वर की इच्छा पूरी कर चुको, तब तुम्हें प्रतिज्ञा प्राप्त हो। धीरजवन्त पुरुष ही इच्छा को पूरा करनेवाला है; और इच्छा को पूरा करनेवाला सदा बना रहता है — meno (G3306, बना रहना), वही ठहरने वाला शब्द जो

hupomone के भीतर छिपा हुआ है। संसार अपनी दौड़ स्वयं दौड़ता है और मिट जाता है; धीरजवन्त पुरुष तब भी बना रहता है जब संसार जा चुका होता है।)

K. 1 पतरस 1:25 परन्तु प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहता है ।" और यह ही सुसमाचार का वचन है जो तुम्हें सुनाया गया था। (लूका 16:17, 1 यूह. 1:1, यशा. 40:8) **[G3306 meno ⚑]**

परन्तु प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहता है + और यह ही सुसमाचार का वचन है जो तुम्हें सुनाया गया था। (लूका 16:17, 1 यूह. 1:1, यशा. 40:8.

L. यशायाह 40:8 घास तो सूख जाती, और फूल मुर्झा जाता है; परन्तु हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहेगा । (1 पत. 1:24,25) **[H1697 dabar ⚑]**

घास तो सूख जाती, और फूल मुर्झा जाता है → परन्तु हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहेगा । (1 पत. 1:24,25.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पतरस को यशायाह के साथ रखिए, और एक ही वाणी सुनिए: हमारे परमेश्वर का वचन सर्वदा अटल रहेगा; प्रभु का वचन सर्वदा बना रहता है — और सहने वाला-शब्द, टैग देखिए, G3306, ठहरने वाला-शब्द है। जिस वचन को आपने धीरज के साथ रखा, वह सर्वदा बना रहता है, और जो परमेश्वर की इच्छा पूरी करता है, वह उसके साथ सर्वदा बना रहता है। परमेश्वर में जिसकी प्रतीक्षा की गई है, वह अंतिम रेखा पर खोया नहीं जाता।)

दो के मुख

याकूब 1:3 यह जानकर, कि तुम्हारे विश्वास के परखे जाने से धीरज उत्पन्न होता है। **[G5281 hupomone ⚑] [G2716 katergazomai ⚑] [G1383 dokimion ⚑]**

तुम्हारे विश्वास की परीक्षा = धीरज उत्पन्न करती है।

रोमियों 5:3 केवल यही नहीं, वरन् हम क्लेशों में भी घमण्ड करें, यही जानकर कि क्लेश से धीरज **[G5281 hupomone ⚑] [G2716 katergazomai ⚑] [G2347 thlipsis ⚑]**

हम क्लेशों में गर्व करते हैं → क्योंकि क्लेश धीरज उत्पन्न करता है।

1 पतरस 1:7 और यह इसलिए है कि तुम्हारा परखा हुआ विश्वास, जो आग से ताए हुए नाशवान सोने से भी कहीं अधिक बहुमूल्य है, यीशु मसीह के प्रगट होने पर प्रशंसा, महिमा, और आदर का कारण ठहरे। (अय्यू. 23:10, भज. 66:10, यशा. 48:10, याकू. 1:12) **[G602 apokalupsis ⚑] [G1383 dokimion ⚑]**

तुम्हारे विश्वास की परीक्षा = सोने से कहीं अधिक बहुमूल्य → यीशु मसीह के प्रगट होने पर प्रशंसा, आदर और महिमा के लिये पाई जाए।

2 कुरिन्थियों 13:1 अब तीसरी बार तुम्हारे पास आता हूँ: दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15) **[G3144 martus ⚑]**

दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — तीन गवाह, और एक-एक शब्द के दो जोड़े। याकूब कहता है, तुम्हारे विश्वास की परीक्षा धीरज उत्पन्न करती है; पौलुस कहता है, क्लेश धीरज उत्पन्न करता है — और "उत्पन्न करने" वाला शब्द एक ही शब्द है, टैग देखिए, G2716, पूरी तरह से काम करना। और याकूब का "परीक्षा" और पतरस का "परीक्षा" भी एक ही शब्द है, G1383: याकूब बताता है कि परीक्षा क्या उत्पन्न करती है — धीरज; पतरस बताता है कि परीक्षा का मूल्य क्या है — सोने से कहीं अधिक बहुमूल्य। दो या तीन गवाहों के मुख से बात स्थिर होती है: परीक्षा कारीगर है, धीरज कार्य है, और उसका मूल्य सोने से भी अधिक है।)

छाया और पूर्णता

Shadow अय्यूब 13:15 वह मुझे घात करेगा, मुझे कुछ आशा नहीं; तो भी मैं अपनी चाल-चलन का पक्ष लूँगा। **[H3176 yachal ⚑]**

वह मुझे घात करेगा, मुझे कुछ आशा नहीं.

Fulfillment याकूब 5:11 देखो, हम धीरज धरनेवालों को धन्य कहते हैं। तुम ने अय्यूब के धीरज के विषय में तो सुना ही है, और प्रभु की ओर से जो उसका प्रतिफल हुआ उसे भी जान लिया है, जिससे प्रभु की अत्यन्त करुणा और दया प्रगट होती है। **[G5056 telos ⚑] [G5281 hupomone ⚑] [G5278 hupomeno ⚑]**

हम धीरज धरनेवालों को धन्य कहते हैं → अय्यूब का धीरज + प्रभु का प्रयोजन = अत्यन्त दयालु, और करुणामय।

Fulfillment 1 पतरस 2:21 और तुम इसी के लिये बुलाए भी गए हो क्योंकि मसीह भी तुम्हारे लिये दुःख उठाकर, तुम्हें एक आदर्श दे गया है कि तुम भी उसके पद-चिन्ह पर चलो। **[G2487 ichnos ⚑] [G5261 hupogrammos ⚑]**

मसीह ने भी हमारे लिए दुख उठाया → और हमारे लिए एक आदर्श छोड़ गया, कि तुम उसके पद-चिन्हों पर चलो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देखिए छाया के अपने शब्द को: अय्यूब का भरोसा, टैग देखिए, H3176, यही प्रतीक्षा-शब्द है — स्ट्रॉन्स कहता है, प्रतीक्षा करना, धीरज धरना, आशा रखना। यद्यपि वह मुझे घात करे, तौभी मैं उस पर भरोसा रखूँगा — अय्यूब का सारा धीरज एक ही पंक्ति में है। और याकूब उसके अंत को खोल देता है: तुमने वह अंत देखा है जो प्रभु ने लाया, कि प्रभु बहुत करुणामय और कोमल दया से भरपूर है — मार डालना कभी अंत नहीं था; दया ही अंत थी। और वास्तविक वस्तु छाया से बड़ी है: अय्यूब से बड़े एक ने दुख उठाया, और हमारे लिए एक आदर्श छोड़ा — हुपोग्राम्मोस (G5261, आदर्श), स्ट्रॉन्स के अनुसार नीचे रखी हुई एक प्रतिलिपि, जिस पर रेखांकन किया जाए — जिससे तुम उसके पगचिन्हों पर चलो। धीरज की चाल पहले से छपे हुए पगचिन्हों पर चलना है; उन्हें अंत तक चलो, और अंत दया है।)

समापन

1 पतरस 5:10 अब परमेश्वर जो सारे अनुग्रह का दाता है, जिसने तुम्हें मसीह में अपनी अनन्त महिमा के लिये बुलाया, तुम्हारे थोड़ी देर तक दुःख उठाने के बाद आप ही तुम्हें सिद्ध और स्थिर और बलवन्त करेगा । **[G2311 themelioo ⚑] [G4599 sthenoo ⚑] [G4741 sterizo ⚑] [G2675 katartizo ⚑] [G3958 pascho ⚑]**

सारे अनुग्रह का परमेश्वर → जब तुम थोड़ा दुःख उठा चुके → तुम्हें सिद्ध करेगा, दृढ़ करेगा, बलवन्त करेगा, और स्थिर करेगा।

रोमियों 15:13 परमेश्वर जो आशा का दाता है तुम्हें विश्वास करने में सब प्रकार के आनन्द और शान्ति से परिपूर्ण करे, कि पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से तुम्हारी आशा बढ़ती जाए। **[G4137 pleroo ⚑] [G1680 elpis ⚑]**

आशा का परमेश्वर तुम्हें विश्वास रखने में सब आनन्द और शान्ति से परिपूर्ण करे → कि तुम आशा में उन्नति करते जाओ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब पूरे रास्ते को घर तक इकट्ठा करो, और परमेश्वर के उन नामों को देखो जिन्होंने इसे थामे रखा। रेंगना धैर्य के परमेश्वर से शुरू हुआ, जो पवित्रशास्त्रों के द्वारा धैर्य देता है, और जिसने तुम्हारे उसकी प्रतीक्षा करने से पहले ही तुम्हारे लिए प्रतीक्षा की। चलना इसे दिन-प्रतिदिन धारण करता गया: अपने प्राण को अधीन रखो, सबके प्रति धैर्यवान बनो, यहोवा में विश्राम करो और चिंता मत करो। दौड़ ने इसे साथ लेकर दौड़ लगाई और इसे अर्पित किया: धैर्य के साथ दौड़ो, एक अच्छे सिपाही की तरह कष्ट सहो, और यदि हम दुःख उठाएँ, तो उसके साथ राज्य भी करेंगे। और अंतिम रेखा इसके द्वारा प्राप्त करती है: विश्वास और धैर्य के द्वारा प्रतिज्ञाओं के वारिस बनो; निश्चय ही अन्त है, और तुम्हारी आशा कदापि टूटेगी नहीं। अब उन दो नामों को सुनो जो रेखा पर खड़े हैं: सारे अनुग्रह का परमेश्वर, जो थोड़ी देर दुःख उठाने के बाद तुम्हें सिद्ध करेगा, स्थिर करेगा, बलवन्त करेगा, और दृढ़ करेगा; और आशा का परमेश्वर, जो तुम्हें विश्वास करने में सब आनन्द और शांति से भर देगा। जिसने तुम्हें चलना सिखाया, वही तुम्हें रेखा के पार ले जाएगा — दुःख के बाद, स्थिरता; और आशा हमें लज्जित नहीं करती। चलते रहो, और भली-भांति प्रतीक्षा करो: प्रभु निकट है।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. याकूब 1:3 — यह जानकर कि तुम्हारे विश्वास के परखे जाने से उत्पन्न होता है:
a) भक्ति
b) धैर्य
c) आशा

2. Luke 21:19 — In your patience possess ye your:
a) आत्माएँ
b) हृदय
c) प्रतिज्ञाएँ

3. इब्रानियों 12:1 — आओ, हम हर एक भार को, और उस पाप को जो हमें सहज ही उलझा लेता है, दूर करके धीरज से दौड़ें:
a) इस जीवन के कार्य
b) वह आनन्द जो उसके आगे धरा था
c) वह दौड़ जो हमारे सामने रखी गई है

4. इब्रानियों 10:36 — क्योंकि तुम्हें धीरज धरने की आवश्यकता है, ताकि परमेश्वर की इच्छा पूरी करने के बाद तुम पाओ:
a) जीवन का मुकुट
b) प्रतिज्ञा
c) पहली और पिछली वर्षा

5. कुलुस्सियों 1:11 — उसकी महिमा की सामर्थ्य के अनुसार हर प्रकार की शक्ति से बलवन्त होते जाओ, कि तुम बड़े धीरज और सहनशीलता के साथ रह सको:
a) नम्रता
b) कोमलता
c) आनंद

6. 2 तीमुथियुस 2:12 — यदि हम दुःख उठाएं, तो उसके साथ राज्य भी करेंगे:
a) उसके साथ राज्य करना
b) उद्धार प्राप्त करना
c) प्रतिज्ञा प्राप्त करना

7. प्रकाशितवाक्य 3:10 — क्योंकि तूने मेरे धीरज के वचन को पकड़ रखा है, इसलिये मैं भी तुझे इससे बचाए रखूँगा:
a) वह पाप जो हमें सहज से उलझा लेता है
b) परीक्षा की घड़ी
c) संसार जो मिटता जाता है

उत्तर कुंजी: 1-b, 2-a, 3-c, 4-b, 5-c, 6-a, 7-b

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

छाया किस प्रकार प्रकाश लाती है: अय्यूब ने कहा, चाहे वह मुझे घात करे, तौभी मैं उस पर भरोसा रखूंगा (अय्यूब 13:15), और उसका भरोसे का शब्द प्रतीक्षा का शब्द है (H3176 — आशा, ठहरना, भरोसा, प्रतीक्षा करना) — इसे उन सब के साथ रखो जो उसकी बाट जोहते हैं वे धन्य हैं (यशायाह 30:18) और तुम ने अय्यूब के धीरज के विषय में सुना है (याकूब 5:11), जो अपने ही अध्ययन के लिए तैयार है।

नई वाचा इसे किस प्रकार स्पष्ट करती है: पूर्वजों से कहा गया था, यहोवा में विश्राम कर, और धीरज से उसकी बाट जोह (भजन संहिता 37:7); हम से कहा गया है, हम उस दौड़ में धीरज से दौड़ें जो हमारे आगे धरी है (इब्रानियों 12:1) — बाट जोहना दौड़ना बन गया है, और दोनों एक ही धीरज हैं।

शब्दों का महत्व कैसे है: इब्रानियों 12:1 (G5281) की धीरता एक नीचे टिके रहना है, और इब्रानियों 6:12 (G3115) की धीरता एक दीर्घ आत्मा है, क्रोध में धीमी — दौड़ एक की मांग करती है, प्रतिज्ञा दूसरे की मांग करती है; और कुलुस्सियों 1:11 दोनों को एक ही पंक्ति में रखता है — ध्यान दें कि कौन सा शब्द किस स्थान पर है, और क्यों।

यह अनन्तकाल तक कैसे पहुँचता है: जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहता है (1 यूहन्ना 2:17), और तुम्हें धीरज धरने की आवश्यकता है, ताकि परमेश्वर की इच्छा पूरी करने के बाद तुम प्रतिज्ञा को प्राप्त करो (इब्रानियों 10:36) — इच्छा को धीरज के साथ पूरा करने वाला ही वह मनुष्य है जो सर्वदा जीवित रहता है।

अतिरिक्त विषय: वह किसान जो पृथ्वी के अनमोल फल की प्रतीक्षा करता है (याकूब 5:7) उस अच्छी भूमि के साथ खड़ा है जो धैर्य से फल लाती है (लूका 8:15) — बोने वाला, भूमि, और धैर्य की फसल, अपने स्वयं के अध्ययन के लिए तैयार।

संभावित रहस्योद्घाटन: 2 तीमुथियुस 2:12 (G5278) में 'सहना' के रूप में अनुवादित शब्द इस अध्ययन का वही 'धैर्यपूर्वक सहना' वाला शब्द है — यदि हम सहते हैं तो यह वही है जो हम धैर्यपूर्वक सहते हैं, और उसका अंत एक सिंहासन है; और नीतिवचन 23:18 (H8615, TIQVAH) की 'आशा' प्राचीन भाषा में शाब्दिक रूप से एक रस्सी है, जो प्रतीक्षा-शब्द QAVAH (H6960) की पुत्री है — प्रतीक्षा करने वाली आत्मा परमेश्वर से एक रस्सी के समान बंधी हुई है, और वह रस्सी कभी नहीं काटी जाएगी।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).